प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 7 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

मनुष्य का अस्तित्व उसके आस–पास के समाज से ही है। समाज में उसके मित्र भी होते हैं, शत्रु भी, परिचित भी, अपरिचित भी। जहाँ तक शत्रुओं, परिचितों, अपरिचितों का प्रश्न है, उन्हें पहचानना कठिन होता है। किन्तु सच्चे मित्रों को पहचानना बहुत कठिन होता है। यह प्रायः देखा गया है कि एक ओर तो बहुत–से लोग अपने–अपने स्वार्थवश सम्पन्न, सुखी और बड़े आदमियों के मित्र बन जाते हैं, या ज्यादा सही यह कहना होगा कि वे दिखाना चाहते हैं कि वे मित्र हैं। इसके विपरीत जहाँ तक गरीब, निर्धन और दुखी लोगों का प्रश्न है, मित्र बनना तो दूर रहा लोग उनकी छाया से भी दूर भागते हैं। इसीलिए कोई व्यक्ति हमारा वास्तविक मित्र है या नहीं, इस बात का पता हमें तब तक नहीं लग सकता जब तक हम विपत्ति में न हों। विपत्ति में केवल वास्तविक मित्र ही साथ देते हैं। इसीलिए यह ठीक ही कहा है कि विपत्ति मित्रों की कसौटी है।

1. सच्चे मित्रों को पहचानना कठिन क्यों होता है ? 2
उत्तर : सच्चे मित्रों को पहचानना कठिन इसलिए होता है क्योंकि लोग स्वार्थवश सुखी और संपन्न लोगों की संपत्ति को देखकर मित्रता बनाते हैं, हमें तब तक मित्रों की पहचान नहीं हो पाएगी जब तक हम पर कोई विपत्ति न आ जाए।
2. सम्पन्न और सुखी लोगों के मित्र कैसे बन जाते हैं ?2
उत्तर : सम्पन्न और सुखी लोगों के मित्र उनकी धन–दौलत पर आकर्षित होकर बन जाते हैं।
3. वास्तविक मित्र की पहचान कैसे की जा सकती है ?2
उत्तर : वास्तविक मित्र की पहचान हमारी विपत्ति के समय की जा सकती है। जो व्यक्ति विपत्ति के समय हमारा साथ देता है वही सच्चा मित्र होता है।
4. विपत्ति का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है? 2
उत्तर : विपत्ति का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है, इससे हमें सच्चे और स्वार्थी मित्रों की पहचान होती है।
5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1
उत्तर : सच्चा मित्र।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

दो में से क्या तुम्हें चाहिए, कलम या कि तलवार?
मन में ऊँचे भाव कि तन में शक्ति विजय अपार।
कलम देश की बड़ी शक्ति है भाव जगाने वाली,
दिल ही नहीं दिमागों में भी आग लगाने वाली।
पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
और प्रज्वलित प्राण देश क्या कभी मरेगा मारे?
लहू गर्म रखने को रखो मन में ज्वलित विचार,
हिंस्र जीव से बचने को चाहिए किन्तु तलवार।
एक भेद है और जहाँ निर्भय होते नर–नारी,
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिंगारी।
जहाँ मनुष्यों के भीतर, हर दम जलते हैं शोले,
बादलों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले।
जहाँ पालते लोग लहू में हालाहल की धार,
क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में नहीं हुई तलवार।

1. कवि के अनुसार कलम दिल और दिमागों में आग कैसे लगा सकती है ? 2
उत्तर : कलम हमारे दिमाग को मजबूत बनाती है। जिससे हमारे मन में विश्वास का भाव जगता है, इससे हम अपनी बुद्धि के प्रयोग से अपनी कठिनाइयों का सामना करते हैं।
2. कलम की तुलना किससे की गई है ? कैसे ? 2
उत्तर : कलम की तुलना तलवार से की गई है। जिस प्रकार तलवार अपने बल पर किसी को भी जीतने की ताकत रखती है उसी प्रकार कलम भी बुद्धि को तर्क और विचार की शक्ति प्रदान करती है।

3. कवि के अनुसार हमें तलवार की जरुरत कहाँ–कहाँ होती है ? 2

उत्तर : कवि के अनुसार हमें तलवार की ज़रूरत अपनी रक्षा और हिंसक जीवों से बचने के लिए होती है।

अथवा

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं,
जागृत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं ?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं ?
है हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी ह्रदय।
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय।।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा,
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा,
पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा।
बस युद्ध–मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय।
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय।

1. "पहले जागे हैं" से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : पहले जागने से तात्पर्य सबसे पहले ज्ञान की प्राप्ति से है। काव्यांश में कहा गया है कि इतिहास में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि सबसे पहले हमें ही ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

2. हमारी दयालुता किन पंक्तियों से प्रकट होती है?

उत्तर : "बस युद्ध–मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय।" "पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा।"

3. विश्व को भारत का जयघोष करने को क्यों कहा गया?

उत्तर : विश्व को हमारी परम्परा से चले आ रहे गुणों के कारण भारत का जयघोष करने को कहा गया है।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

सौभाग्य, त्रिभुज, विज्ञान

उत्तर : सौभाग्य– स् + औ + भ् + आ + ग् + य् + अ
त्रिभुज– त् + र् + इ + भ् + उ + ज् + अ
विज्ञान– व् + इ + ज् + ञ + आ + न् + अ

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

कुआरा, महगा, गूथ

उत्तर : कुआरा– कुँआरा
महगा– महँगा
गूथ– गूँथ

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

साकेतिक, अभिनदन, सस्था

उत्तर : साकेतिक– सांकेतिक
अभिनदन– अभिनंदन
सस्था– संस्था

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1

कर्जदार, फरियाद, शराफत

उत्तर : कर्जदार– कर्ज़दार
फरियाद– फ़रियाद
शराफत– शराफ़त

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

आर्थिक, भुलक्कड़, भटका

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	अर्थ	इक
2.	भुल	अक्कड़
3.	भटक	आ

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1

विचित्र, समकालीन, अभाव

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	वि	चित्र
2.	सम	कालीन
3.	अ	भाव

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1

सन्यासी, परिपूर्णता, उपकारक

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	सम	न्यास	ई
2.	परि	पूर्ण	ता
3.	उप	कार	क

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4

स्वाधीन, अत्यधिक, परोपकार, प्रत्येक, भानूदय

उत्तर : **स्वाधीन–** स्व + अधीन
अत्यधिक– अति + अधिक
परोपकार– पर + उपकार
प्रत्येक– प्रति + एक
भानूदय– भानु + उदय

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बनाइए। 3

अर्द्ध विराम, विस्मयसूचक चिन्ह, योजक चिन्ह, प्रश्नवाचक चिन्ह

उत्तर :

1. **अर्द्ध विराम–** (;) जो लोग रुके नहीं; वे ही विजयी हुए।
2. **विस्मयसूचक चिन्ह–** (!) अरे! कितना बड़ा बाँध है।
3. **योजक चिन्ह–** (–) इसकी तो मछली–सी आँखें हैं।
4. **प्रश्नवाचक चिन्ह–** (?) ताजमहल किसने बनवाया?

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. हमारी सभ्यता धूल से क्यों बचना चाहती है? 2

उत्तर : हमारी सभ्यता धूल को अपनी सुंदरता के लिए घातक समझती है। वे धूल से बचने के लिए या तो बंद कमरों में रहना चाहते हैं या ऊँचे–ऊँचे भवनों में अपने को बंद करना चाहते हैं। वे धूल के प्रति हीनभावना रखते हैं।

2. लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा कैसे लगाया? 2

उत्तर : लेखक उस बुढ़िया को देखकर अपने पड़ौस में रहने वाली उस माता के बारे में सोचने लगा जिसके पुत्र की मृत्यु हो गई थी लेकिन उसके पास दुख प्रकट करने का अधिकार और अवसर थे। यह बुढ़िया इतनी असहाय थी कि वह अपने पुत्र की मृत्यु का शोक भी ठीक से नहीं मना पा रही थी।

3. अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था ? 1

उत्तर : अग्रिम दल का नेतृत्व उपनेता प्रेमचंद कर रहे थे।

9. महात्मा गांधी के धर्म संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए। 5

उत्तर : महात्मा गांधी बहुत धर्मपरायण व्यक्ति थे। वे धर्म का पालन सर्वत्र करते थे। धर्म के बिना वे एक पग भी चलने को तैयार नहीं होते थे। उनके धर्म संबंधी विचारों को समझना आवश्यक है। वे धर्म की कट्टरता के खिलाफ थे। उनके अनुसार धर्म उच्च मूल्यों वाला और उदार होता है। उनके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य यही है कि वह धर्म को भली प्रकार से समझ ले।

अथवा

कौनसा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर : तीसरे दिन जब अतिथि ने धोबी से कपड़े धुलवाने की इच्छा प्रकट की तो लेखक के लिए यह अप्रत्याशित आघात था क्योंकि उन्हें लगा था कि वे चले जाएँगे। धोबी से कपड़े धुलवाने से यह पता चल रहा था कि अतिथि अभी जाना नहीं चाहते। इस आघात का लेखक पर यह प्रभाव पड़ा कि वह अतिथि को राक्षस समझने लगे। उनके सत्कार की इच्छा समाप्त हो गई।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है? 2

उत्तर : कविता में उभरी नसों वाले, पीपल के पत्तों से नए–नए हाथ, गंदे कटे–पिटे हाथ, घिसे नाखूनों वाले हाथ, जूही की डाल से खुशबूदार हाथ तथा जख्म से फटे हाथों की चर्चा हुई है।

2. अछूत जब सात दिनों का कारावास काटकर छूटा तो उसके पैर घर की ओर क्यों नहीं बढ़ रहे थे? 2

उत्तर : अछूत जब सात दिनों का कारावास काटकर छूटा तो उसके पैर घर की ओर नहीं बढ़ रहे थे क्योंकि उसके मन में अज्ञात भय समाया हुआ था कि महामारी के प्रकोप ने उसकी बेटी की हालत क्या कर दी होगी।

3. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता? 1

उत्तर : प्रेम का धागा एक बार टूटने पर यदि जोड़ दिया जाये तो उसमें गाँठ पड़ जाती है। इसमें अविश्वास और संदेह की दरार पड़ जाती है।

11. 'आदमीनामा' कविता को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है ? 5

उत्तर : 'आदमीनामा' कविता को पढ़कर हमारे मन में मनुष्य के प्रति यह धारणा बनती है कि मनुष्य की अनेक प्रवृत्तियाँ हैं। कोई व्यक्ति बहुत धनी है तो किसी के पास खाने को रोटी नहीं है। कुछ लोग दूसरों की मदद करके खुश होते हैं तो कुछ लोगों को दूसरे को नीचा दिखाने में आनंद आता है। कोई व्यक्ति सज्जन होता है तो कोई दुर्जन होता है। मनुष्य वास्तव में भाग्य और समय का दास होता है।

अथवा

"नए इलाके में" कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

उत्तर : इस कविता में कवि शहरी जीवन पर व्यंग्य करता है। यहाँ समय का अभाव होता है। लोग एक–दूसरे को पहचानते नहीं हैं। दरवाजा खटखटाने पर भी सहायता नहीं मिलती। यहाँ परिचितों का अभाव है।

12. **साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने क्या–क्या युक्तियाँ अपनाईं?** 3

उत्तर : साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने कई युक्तियाँ अपनाईं। जैसे–साँप के पास पड़ी चिट्ठियों को उठाने के लिए डंडा बढ़ाया, डंडे की ओर आने से साँप के बैठने की स्थिति बदल गई जिससे लेखक को चिट्ठियाँ उठाने में आसानी हुई। डंडा उठाने के लिए लेखक ने एक मुट्ठी मिट्टी साँप के दाईं ओर फेंकी कि उसका ध्यान उस ओर चला जाये और दूसरे हाथ से डंडा खींच लिया।

अथवा

मालाबार में हिंदू–मुसलमानों के परस्पर संबंधों को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : मालाबार में हिंदू–मुसलमान आपस में मिल–जुल. कर रहते हैं। उनमें आपसी दंगे भी नहीं होते। धर्मों को लेकर वह लोग कभी मतभेद नहीं रखते हैं। यदि किसी को लजीज खाना खाने का मन होता है तो हिंदू भी मुसलमानी होटल में खाने जाते हैं। वहाँ आपसी मेलजोल का माहौल है।

13. **लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?** 2

उत्तर : लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैरों के पास आकर खेलता, फिर सर्र से पर्दे पर चढ़ जाता और उसी तेज़ी से उतरता। वह इसी तरह भागदौड़ करता रहता जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए नहीं उठ जाती।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** 5

1. **पर्यावरण के लिए वृक्षों का महत्त्व।**
   • पर्यावरण का अर्थ • पेड़ों का पर्यावरण पर प्रभाव • वृक्षों का संरक्षण जरूरी • वृक्षों को बचाने के उपाय।
2. **भारत में संचार क्रांति।**
   • संचार के साधन • भारत में तेजी से बढ़ती तकनीकी सुविधाएँ, स्मार्टफोन की दुनिया • हानि–लाभ, सदुपयोग के लिए सुझाव।
3. **डिब्बाबंद खाने का प्रचलन।**
   • लोगों का रुझान • दोनों प्रकार के खाने में अंतर • डिब्बाबंद खाने का स्वास्थ्य पर प्रभाव • सुझाव।

उत्तर :

1. पर्यावरण के लिए वृक्षों का महत्त्व

वृक्षों का पर्यावरण से बहुत गहरा संबंध है। प्रकृति पर संतुलन बनाए रखने के लिए एक तिहाई भाग में वनों का होना नितांत आवश्यक है। वृक्ष ही जीवनदायक है। ये वर्षा लाने में सहायक होते हैं, भूमि को उपजाऊ बनाते हैं। यदि वृक्ष नहीं होंगे तो जाहिर है कि इस प्रकृति पर इसका विपरीत प्रभाव होगा। कहीं सूखा पड़ेगा तो कहीं अतिवृष्टि होगी और बाढ़ के हालात पैदा होंगे। वन ही हमें लकड़ी, फूलपत्ती, खाद्य पदार्थ आदि ज़रूरी चीजें प्रदान करते हैं। जैसे–जैसे औद्योगीकरण बढ़ रहा है, वृक्षों को काटा जा रहा है। दुर्भाग्य से वृक्षों का अनुपात घटकर बहुत कम हो गया है। वृक्षों का संरक्षण हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना योगदान देना पड़ेगा। अपने घर में मोहल्ले में और जितना अधिक संभव हो सकता है, पूरे आस–पड़ोस में अधिक–से–अधिक वृक्षों को लगाना होगा। वृक्ष हमारा जीवनदाता, वृक्ष ही हैं भाग्य विधाता।

2. भारत में संचार क्रांति

संचार के अनेक साधन हैं, जैसे रेडियो, टेलीविजन, पत्र, टेलीफोन आदि। मोबाइल इन सबसे आधुनिक और प्रभावशाली माध्यम है। इसके सहारे इंसान पूरे विश्व से जुड़ा हुआ महसूस करता है क्योंकि इंटरनेट के जरिए एक पल में हमें विश्वभर की तमाम जानकारियाँ उपलब्ध हो जाती हैं। भारत में पिछले दो दशकों में संचार के क्षेत्र में बहुत बड़े परिवर्तन आए हैं। जहाँ कुछ समय पहले तक लोग लैंडलाइन पर भी बात नहीं कर पा रहे थे वहीं आज वीडियो कॉलिंग से कहीं भी किसी भी व्यक्ति को देखकर बात कर सकते हैं। इतना ही नहीं मोबाइल फोन में जब से स्मार्ट फोन का प्रचलन हुआ है तब से लोगों के पास मनोरंजन के कई साधन उपलब्ध हो गए हैं। इससे सभी वर्गों को लाभ भी हो रहा है। विद्यार्थी इंटरनेट में उपलब्ध विभिन्न विषयों के ज्ञान को प्राप्त कर रहे हैं। बैंकिंग के क्षेत्र में भी पैसे के लेन–देन में यह बहुत सुविधाप्रद साधन बना है। जहाँ एक ओर स्मार्ट फोन ने लोगों की जीवनशैली को आसान बनाया है वहीं कुछ समस्याएँ भी पैदा हो गई हैं। यह देखा जा रहा है कि बच्चे लगातार फोन से चिपके हुए वीडियो गेम खेलते हैं या अपने मनपसंद चीज़ों को देखते रहते हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान

के लिए अभिभावकों और बच्चों को सजग होना होगा। बच्चों को मनोरंजन के लिए मैदानी खेलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा।

3. डिब्बाबंद खाने का प्रचलन

बदलती जीवनशैली के साथ–साथ हमारे खान–पान की आदतों में भी बदलाव आ गया है। हम लोग बाज़ार में मिलने वाले डिब्बाबंद खाने की तरफ अधिक आकर्षित होने लगे हैं। स्वाद और समय की दृष्टि से तो यह सहूलियत भरा लगता है, अगर हम इसकी शुद्धता और गुणवत्ता की बात करें तो हम पाएँगे कि डिब्बाबंद भोजन कहीं–न–कहीं हमारे शरीर में धीमा जहर घोल रहे हैं। हमें यह भी पता नहीं होता कि इस भोजन को तैयार करने में जो सामग्री लगी है उसकी गुणवत्ता कैसी है, बनाते समय स्वच्छता का कितना ध्यान रखा गया है। इसके विपरीत अगर हम अपने घर में बनने वाले भोजन की बात करें तो यह हर दृष्टि से हमारे शरीर के लिए पौष्टिक होता है क्योंकि हम घरों में हमेशा स्वच्छता का ध्यान रखते हैं और पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन बनाते हैं। इस भोजन से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। इसलिए हमें हमेशा घर में बनाए जाने वाले भोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

15. अपनी सबसे रोचक यात्रा के बारे में विस्तार से बताने के लिए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

परीक्षा भवन,
जयपुर।
दिनांक : 31 जुलाई, 2019
प्रिय मित्र राकेश

बहुत समय से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया, आशा करता हूँ कि तुम सपरिवार कुशल होंगे। मैंने तुम्हें अपनी नैनीताल यात्रा के बारे में बताने के लिए पत्र लिखा है। मैं अपने चाचाजी के साथ इस बार गर्मी की छुट्टियों में सरोवर नगरी नैनीताल गया था। इस जगह की सुंदरता के बारे में हमने जितना सुना था उससे भी कहीं खूबसूरत है। रात को झील के किनारे पैदल घूमने का अहसास ही कुछ और है। नैनीताल में हमने नैना देवी मंदिर के दर्शन किए, चिड़ियाघर घूमे और रज्जूमार्ग से जाने का आनंद भी लिया। इन सभी जगहों पर मैंने तुम्हें बहुत याद किया।

मुझे उम्मीद है कि अगली बार की यात्रा में हम साथ में घूमने का आनंद लेंगे।

तुम्हारा मित्र
मनोज

अथवा

कुसंगति से बचे रहने की सलाह देते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

उत्तर :

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक : 11 दिसम्बर, 2019
प्रिय अभय
शुभाशीष।

मैं कई दिनों से तुम्हारे पत्र का इंतजार कर रहा था लेकिन तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया। आशा करता हूँ कि तुम वहाँ पर सकुशल होंगे और अपनी पढ़ाई मन लगाकर कर रहे होंगे। मैं बड़े भाई होने के नाते तुम्हारे साथ कुछ जीवनोपयोगी बातें भी साझा करना चाहता हूँ। अभय तुम्हारे संपर्क में कई प्रकार के लोग आएँगे जिनका प्रभाव तुम्हारे जीवन पर भी पड़ेगा। कुछ साथी तुम्हें कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करेंगे तो कुछ लोग तुम्हें धूम्रपान या अन्य प्रकार के व्यसनों की तरफ भी आकर्षित करेंगे। इस बात का हमेशा ध्यान रहे कि किसी भी व्यसन को शुरू करने के बाद व्यक्ति उसका आदी हो जाता है और अपने जीवन के साथ परिवार वालों के सुख को हानि पहुँचाता है। ऐसे दुर्व्यसनों से हमेशा दूरी बनाए रखने में ही भलाई है। तुम्हें जिन लोगों के साथ रहकर बेहतर सीखने के अवसर मिलते हैं, ऐसे लोगों के साथ विचार–विमर्श किया करो और अपने समय का सदुपयोग करो। बाकी किसी भी आवश्यकता के लिए मुझे पत्र लिखकर अवश्य सूचित करना।

तुम्हारा अग्रज
रमेश

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : पेड़ लगाना कोई अहसान नहीं स्वयं के जीवन की जिम्मेदारी है। अधिक–से–अधिक पेड़ लगाकर ये लोग अपने आस–पास को सुखद बनाने जा रहे हैं। हमें भी पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए।

अथवा

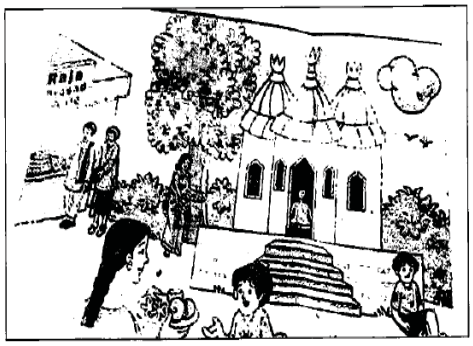

उत्तर : त्यौहार का दिन हम सबके लिए एक विशेष उमंग लाता है। इस चित्र में सभी लोग बहुत उत्साहित हैं। त्यौहार हमेशा सादगी और भाईचारे के साथ मनाने चाहिए। एक महिला मिठाई व फल बच्चों को बाँट रही हैं जिसमें बच्चे बहुत प्रसन्न दिखाई दे रहे हैं।

17. फुटबॉल मैच की तैयारी को लेकर दो खिलाड़ी आपस में बातचीत कर रहे हैं। उन दोनों खिलाड़ियों के वार्तालाप को अपने शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

अंकित– विकास, आज का मैच जीतना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है। हम सभी अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

विकास– हाँ अंकित, मैंने सभी खिलाड़ियों को फिट रहने के लिए कहा है।

अंकित– हम हर एक मौके को गोल में तब्दील करने का प्रयास करेंगे। अपने गोलची को मुस्तैदी से गोल रोकने को कहेंगे।

विकास– आज हमारा मुख्य खिलाड़ी कुछ ठीक महसूस नहीं कर रहा है। उसके बदले का भी योगदान हमको ही करना होगा।

अंकित– ठीक है, सीटी बज चुकी है। जल्दी से पूरी टीम को मैदान में आने के लिए कहो।

अथवा

बढ़ती हुई महँगाई पर दो महिलाओं में वार्तालाप दिखाइए।

उत्तर :

प्रियंका– अरे रजनी, मैं कल सब्जी मंडी जाकर चिंता में पड़ गई।

रजनी– क्या बात कर रही हो प्रियंका! क्या टमाटर फिर से महँगा हो गया ?

प्रियंका– न सिर्फ टमाटर, बल्कि सारी सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं।

रजनी– आय हाय! अब क्या होगा, हमने तो अपने यहाँ रविवार के दिन एक छोटा–सा जलपान का कार्यक्रम रखा था। उसमें मेरे कार्यालय से भी लोग आ रहे हैं।

प्रियंका– होना क्या है, मैं तो कहती हूँ आज ही जाकर सब्जी ले आओ नहीं तो सुनने में आ रहा है कि बारिश के कारण सब्जियों के दाम और बढ़ सकते हैं।

रजनी– सही कहा तुमने, मैं आज ही जाकर पूरी सब्जियाँ खरीद लाती हूँ।

18. किसी मैदान में आयोजित पुस्तक मेले के आयोजन के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

पुस्तक मेला
दिनांक : 11 जनवरी से 20 जनवरी, 2019
समय : सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक
★ रोचक पुस्तकों का अथाह भंडार!
★ पुस्तकों पर 15 प्रतिशत की आकर्षक छूट!
पता
सरोज पार्क, इंदौर
मध्य प्रदेश

अथवा

हरियाली को बढ़ावा देने के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

पेड़ लगाओं देश बचाओ,
पेड़ लगाओ जीवन बचाओ,
जीवन खुशहाल बनाओ।
हरे-भरे पेड़ है जहाँ,
धरती का स्वर्ग है वहाँ।

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online